आउटकम/परफॉरमेन्स बजट 2021–22
(सामान्य + अनुसूचित जाति + अनुसूचित जनजाति)

विभाग का नामः– उद्यान विभाग

मुख्य एस0डी0जी0 – 02 भूखमरी समाप्त करना

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.20 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31.03.2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक स्थिति)	परिकल्पिक (प्रोजैक्टेड) आउटपुट 2021–22	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउट कम 2021–22	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
	उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग								
	राज्य सैक्टर								
01	**0109–राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड/एपीडा आदि द्वारा वित्त पोषित योजना पर 20% राज्यांश**		10.00		–	–	प्रोजेक्ट–8	प्रोजेक्ट–8 (उत्पादन एवं उत्पादकता वृद्धि में सहयोग) प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार–100	2021–22
02	**0113–बाजार हस्तक्षेप की योजना का कियान्वयन**	उद्यानपतियों से सी ग्रेड सेब, नाशपाती, माल्टा, गलगल आदि के सर्मथन मूल्य पर क्रय की व्यवस्था	–						
	1–फलों का क्रय (सेव, माल्टा,नाशपाती, लीची, आदि)				यह योजना कृषि एवं उद्यान उत्पादों के समर्थन मूल्य योजना में सम्मिलित कर दी गयी है।	यह योजना कृषि एवं उद्यान उत्पादों के समर्थन मूल्य योजना में सम्मिलित कर दी गयी है।	यह योजना कृषि एवं उद्यान उत्पादों के समर्थन मूल्य योजना में सम्मिलित कर दी गयी है।	कृषकों के उत्पादो का उचित मूल्य दिलाने एवं आय में वृद्धि	2021–22
03	**0301–अधिष्ठान (मानव संसाधन विकास)**		14203.79		लगभग 3550 कार्मिकों के वेतन भत्तों आदि का भुगतान	लगभग 3550 कार्मिकों के वेतन भत्तों आदि का भुगतान	लगभग 3550 कार्मिकों के वेतन भत्तों आदि का भुगतान	लगभग 3550 कार्मिकों के वेतन भत्तों आदि का भुगतान	2021–22
	1–उद्यान सचल दल केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण				–	05 केन्द्र	05 केन्द्र	कृषकों को योजना का प्रभावी प्रचार–प्रसार एवं निवेशों को सुरक्षित करना	2021–22
	2–सेमीनार/टैक्नोलॉजी ट्रान्सफर				2	2	2	कृषकों में योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार	2021–22
	3–एक्सटेन्सन वर्क मैटेरियल				20000 साहित्य	20000 साहित्य	20000 साहित्य		2021–22
	4–उद्यान कार्ड वितरण				9039 कृषक	3000 कृषक	10000 कृषक		2021–22

04	**0302–राजभवन के उद्यानों का अनुरक्षण**		162.43		राजभवन देहरादून एवं नैनीताल का अनुरक्षण	राजभवन देहरादून एवं नैनीताल का अनुरक्षण	राजभवन देहरादून एवं नैनीताल का अनुरक्षण	राजभवन देहरादून एवं नैनीताल में औद्यानिकी सौन्दर्यीकरण	2021–22
05	**0303–राजकीय उद्यानों का सुदृढ़ीकरण**		423.31	200.00					2021–22
	1–फल पौध उत्पादन				4.00 लाख	3.50 लाख	10 लाख	गुणवत्तायुक्त पौधों के वितरण से उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि	2021–22
	2–सब्जी बीज उत्पादन				127 कु0	200 कु0	500 कु0	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि	
	3–आलू बीज उत्पादन				604 कु0	4000 कु0	4000 कु0		
	4–सब्जी पौध उत्पादन				462 लाख	300 लाख	400 लाख		
06	**0304–सचिवालय परिसर का सौदर्यकरण**		54.47		सचिवालय का सौन्दर्यीकरण	सचिवालय का सौन्दर्यीकरण	सचिवालय का सौन्दर्यीकरण	सचिवालय का सौन्दर्यीकरण	2021–22
07	**0305–मुख्यमंत्री आवास के उद्यानों का अनुरक्षण**		35.12		मु0आ0 के उद्यानों का अनुरक्षण	मु0आ0 के उद्यानों का अनुरक्षण	मु0आ0 के उद्यानों का अनुरक्षण	मु0आ0 के उद्यानों का अनुरक्षण	2021–22
08	**0306–विधान भवन परिसर में औद्यानिक विकास**		19.11		विधान परिसर का सौन्दर्यीकरण	विधान परिसर का सौन्दर्यीकरण	विधान परिसर का सौन्दर्यीकरण	विधान परिसर का सौन्दर्यीकरण	2021–22
09	**0313–बागवानी विकास परिषद के विभिन्न देयकों का भुगतान**		0.14						2021–22
10	**10–मधुमक्खी पालन योजना**	1. फलों के उत्पादन बढ़ाने के लिए परपरागण एवं शहद उत्पादन हेतु 01 है0 क्षेत्र में 04 मौन बक्सों को रखा जाना। 2. मौन बाक्स मौन कालोनियों का वितरण। 3. मौनपालन का 07 दिवसीय प्रशिक्षण	80.73						2021–22
	1–मौनवंश/मौनगृह का वितरण				मौनवंश/मौन गृह–630	मौनवंश/मौनगृह–400	मौनवंश/मौनगृह–1000	स्वरोजगार एवं शहद उत्पादन कर आय वृद्धि करना	2021–22
	2–परागण हेतु मौनवंशों के यातायात पर राजसहायता				परागण हेतु मौनवंश–3800	परागण हेतु मौनवंश–3200	परागण हेतु मौनवंश–4000	फलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में लगभग 20 से 30 प्रतिशत वृद्धि	2021–22
	3–प्रशिक्षण				प्रशिक्षणार्थी–834	प्रशिक्षणार्थी–500	प्रशिक्षणार्थी–500	कृषकों को दक्ष कर स्वरोजगार में वृद्धि	2021–22
11	**13–मशरूम उत्पादन एवं विपणन की योजना**	1. मशरुम उत्पादकों को पाश्चुराईज्ड कम्पोस्ट उपलब्ध कराना 2. स्पान (बीज) वितरण 3. 07 दिवसीय प्रशिक्षण	44.37						2021–22
	1–प्रशिक्षण				प्रशिक्षणार्थी–1609	प्रशिक्षणार्थी–1800	प्रशिक्षणार्थी–2000	कृषकों को दक्ष कर स्वरोजगार में वृद्धि	2021–22
	2–पाश्चुराइज्ड कम्पोस्ट निर्माण				203.17 टन	200 टन	200 टन	मशरूम उत्पादन कर आय वृद्धि	2021–22
	3–स्पान का उत्पादन/वितरण				4156 किग्रा0	3000 किग्रा0	3000 किग्रा0		2021–22

12	**14–उद्यानों की घेरबाड़ की योजना**	जंगली जानवरों के बचाव हेतु उद्यानों की घेरबाड़ हेतु राजसहायता।	167.00		219.60 है0	300 है0	400 है0	कृषकों के बागानों की जंगली जानवरों से सुरक्षा कर उत्पादन में वृद्धि करना	2021–22
13	**4401–फसल कृषि कर्म पर पूजीगत परिव्यय 04–रोगरहित आलू बीज/कीटनाशक औषधियों की लागत**			850.00	कृषकों की मॉग के अनुसार विभिन्न निवेशों का क्रय	कृषकों की मॉग के अनुसार विभिन्न निवेशों का क्रय	कृषकों की मॉग के अनुसार विभिन्न निवेशों का क्रय	औद्यानिक फसलों की सुरक्षा कर उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि	2021–22
14	**(0316) मुख्यमंत्री संरक्षित उद्यान विकास योजना (पालीहाउस)**	पालीहाउस के अन्दर सब्जी एवं पुष्पों का उत्पादन करना।	288.25		पॉलीहाउस–28623 वर्ग मी	पॉलीहाउस–30000 वर्ग मी0	पॉलीहाउस–50000 वर्ग मी0	संरक्षित खेती कर कृषको की आय में 30 से 40 प्रतिशत वृद्धि	2021–22
15	**(0317) उद्यान बीमा योजना**	औद्यानिक फसलों–सेब, आम, आडू, माल्टा,मौसम्बी, सन्तरा, लीची, टमाटर, अदरक, आलू, फ्रैंचबीन, मटर एवं मिर्च का मौसम आधारित बीमा कराना।	3500.00		कृषकों के फसलों को मौसमी कारकों से होने वाले नुकसान की भरपाई हेतु बीमा–48112 किसान	कृषकों के फसलों को मौसमी कारकों से होने वाले नुकसान की भरपाई हेतु बीमा–67229 किसान	बीमित होने वाले कृषकों का लक्ष्य–70,000	कृषकों के फसलों को मौसमी कारकों से होने वाले नुकसान की भरपाई एवं कृषकों की आय वृद्धि।	2021–22
16	**(0318) राज्य खाद्य प्रसंस्करण योजना**	राज्य में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों को बढ़ावा देना, चूंकि औद्यानिक उत्पाद शीघ्र खराब होने की प्रवृर्ति होती है। वर्तमान में लगभग 20–25 प्रतिशत तक खराब हो जाते हैं।	0.01		–	–	–	औद्यानिक उत्पादों के प्रसंकरण में वृद्धि करना तथा वर्ष 2022 तक प्रसंस्करण क्षमता 15 प्रतिशत का लक्ष्य प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन–200	2021–22
17	**(0319) उत्तराखण्ड औद्यानिकी विपणन बोर्ड**		25.00		औद्यानिक उत्पादों के क्रय विक्रय में सहयोग एवं कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान	औद्यानिक उत्पादों के क्रय विक्रय में सहयोग एवं कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान	औद्यानिक उत्पादों के क्रय विक्रय में सहयोग एवं कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान	औद्यानिक उत्पादों के क्रय विक्रय में सहयोग एवं कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान	2021–22
18	**(0321) बागानों की जीर्णोद्धार की योजना**	पुराने एवं अनुत्पादक बागानों का जीर्णोद्धार कर उत्पादन वृद्धि करना।	–		बागवानी मिशन योजना के अन्तर्गत सम्मिलित	बागवानी मिशन योजना के अन्तर्गत सम्मिलित	बागवानी मिशन योजना के अन्तर्गत सम्मिलित	पुराने बागानों का जीर्णोद्धार कर उत्पादन एवं उत्पादकता वृद्धि	2021–22

19	**(0322) बोरवैल स्थापना की योजना**	सिंचाई सुविधा हेतु कृषकों को बोरवैल स्थापना हेतु सहायता।	20.00		बोरबैल–70	बोरबैल–20	–	सिंचित क्षमता का लगभग 15–20 है0 क्षेत्र में अतिरिक्त विकास	2021–22
21	**(0323) पॉलीहाउस के पालीथीन बदलाव की योजना**	कृषकों के पॉच वर्ष से अधिक पुराने पालीहाउस की जीर्ण–शीर्ण पालीथीन बदलने हेतु सहायता	40.00		पॉलीथीन–55339 वर्ग मी	पॉलीथीन–40,000 वर्ग मी0	पॉलीथीन–50,000 वर्ग मी0	पॉलीथीन बदलाव पर उत्पादन एवं आय वृद्धि	2021–22
22	**(0325) पौधरोपण की योजना**	सरकारी आवासों, कार्यालयों, स्कूलों, कृषकों आदि को निःशुल्क फलपौध वितरण	200.01		पौध वितरण–2.57 लाख	पौध वितरण–2.50 लाख	पौध वितरण–3 लाख	फलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर उत्पादकता 5 मै0टन प्रति है0 का 2022 तक लक्ष्य	2021–22
24	**(23) एन्टी हेलनेट की योजना में 25 प्रतिशत राज्यांश**	कृषकों/उद्यानपतियों की फसलों को ओलावृष्टि से बचाव हेतु एण्टी हेलनेट हेतु सहायता	150.00		-	–	–	फलों की ओलावृष्टि से सुरक्षा कर फलों के उत्पादन एवं आय में लगभग 20 से 30 प्रतिशत वृद्धि	2021–22
25	**(0326) कृषि उद्यान उत्पाद सलाहकार समिति**		–		सलाहकार समिति के देयकों का भुगतान	सलाहकार समिति के देयकों का भुगतान	सलाहकार समिति के देयकों का भुगतान	सलाहकार समिति के देयकों का भुगतान	2021–22
27	**(0328) उत्तराखण्ड मधुमक्खी परिषद**		23.50		परिषद के देयकों का भुगतान	परिषद के देयकों का भुगतान	परिषद के देयकों का भुगतान	परिषद के देयकों का भुगतान	2021–22
28	**(0329) उत्तराखण्ड में बेमौसमी सब्जी उत्पादन**	उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में बेमौसमी सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु राजसहायता।	0.01		सब्जी बीज वितरण – 149.30 कु0	सब्जी बीज वितरण – 200 कु0	–	सब्जी के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर कृषकों की आय में लगभग 10 से 20 हजार रू0 वृद्धि **सब्जियों की उत्पादकता–10.00 मै0 टन/है0 का वर्ष 2022 तक लक्ष्य**	2021–22
29	**(0330) फल पौधशालाओं की स्थापना**	राज्य में छोटी (0.2 है0 से 1.0 है0 तक) नयी फल पौधशालाओं की स्थापना	40.00		पौधशाला–8	पौधशाला–8 पौंध उत्पादन–50 हजार प्रति पौंधशाला प्रति हैक्टेयर	पौधशाला–10 पौंध उत्पादन–50 हजार प्रति पौंधशाला प्रति हैक्टेयर	गुणवत्तायुक्त पौधरोपण सामग्री का कृषकों में वितरण कर उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार–100 क्षेत्रफल विस्तार–100 है0	तृतीय वर्ष से

30	**(0331) जैविक बागवानी की खेती योजना (पिथौरागढ एवं चमोली)**	जनपद पिथौरागढ़ व चमोली में पायलट आधार पर जैविक बागवानी को बढ़ावा देना	0.01		क्षेत्रफल विस्तार – 61.88 है0 विभिन्न जैविक निवेशों का वितरण	क्षेत्रफल विस्तार – 70 है0 विभिन्न जैविक निवेशों का वितरण	–	जैविक खेती को बढ़ावा देकर गुणवत्तायुक्त उत्पादन।	2021–22
32	**(0333) अखरोट एवं अन्य गिरिदार फलों (नट फ्रूटस) के सर्वांगीण विकास हेतु मिशन**	राज्य में अखरोट, बादाम तथा पिकननट की खेती को बढ़ावा देने हेतु पौधशालाओं की स्थापना व क्षेत्रफल विस्तार हेतु राज सहायता उपलब्ध कराना	37.38		–	नर्सरी–5 क्षेत्रफल विस्तार–20 है0	नर्सरी–10 क्षेत्रफल विस्तार–50 है0	गुणवत्तायुक्त पौधरोपण सामग्री का कृषकों में वितरण कर उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार–700	तृतीय वर्ष से
33	**उत्तर फसल प्रबन्धन**		200.03		कोरोगेटेड बॉक्स वितरण – 1.81 लाख	कोरोगेटेड बॉक्स वितरण – 4.01 लाख	कोरोगेटेड बॉक्स वितरण – 4.00 लाख	औद्यानिक उत्पादों की पैकिंग कर किसानों को उचित मूल्य दिलाना	2021–22
34	**08–सघन एवं पौध रोपण हेतु फल पौध सामग्री का आयात**	फल पौध रोपण सामग्री का आयात	0.02		–	–	फल पौध रोपण सामग्री का आयात– 2.00 लाख पौध (सेब व अखरोट)	मात्रवृक्षों की स्थापना कर गुणवत्तायुक्त पौध रोपण सामग्री तैयार करना	तृतीय वर्ष से
35	**12– उत्तरांचल में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना/संगोष्ठी**		5.87		गोष्ठी/सेमिनार–1	गोष्ठी/सेमिनार–1	गोष्ठी/सेमिनार–1	जनजागरुकता कर औद्यानिक फसलों को बढ़ावा देना प्रतिभागी–750	2021–22
36	**(0334) मृदा परीक्षण की योजना**	चौबटिया एवं श्रीनगर में मृदा प्रयोगशाला में कृषकों के भूमि के मृदा सैंपल का परीक्षण उपरान्त भूमि के मुख्य एवं सूक्ष्म तत्वों की कमी/अधिकता का आंकलन करना तथा आवश्यक खाद, उर्वरकों की संस्तुति करना।	6.79		चौबटिया एवं श्रीनगर की प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण एवं मृदा परीक्षण	चौबटिया एवं श्रीनगर की प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण एवं मृदा परीक्षण	चौबटिया एवं श्रीनगर की प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण एवं मृदा परीक्षण	मिट्टी में मुख्य एवं सूक्ष्म तत्वों का परीक्षण कर आवश्यकतानुसार भूमि में पोषक तत्वों का उपयोग कर उत्पादन में वृद्धि करना	दो वर्ष
37	**(29) रवांई घाटी फल प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना**		0.18					कृषको एवं कार्मिको की दक्षता विकास हेतु	

38	**(30) चन्द्रनगर (रूद्रप्रयाग) में फल संरक्षण केन्द्र की स्थापना**		2.11		फल संरक्षण केन्द्र की स्थापना–1	फल संरक्षण केन्द्र की स्थापना–1	फल संरक्षण केन्द्र की स्थापना–1	स्थानीय व्यक्तियों को स्वरोजगार प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण एवं उनके उत्पादों का प्रसंस्करण	2021–22
39	**(28) कृषि एवं उद्यान उत्पादों के समर्थन मूल्य की योजना**		175.00		कृषि एवं उद्यान उत्पादों का क्रय विक्रय	कृषि एवं उद्यान उत्पादों का क्रय विक्रय	कृषि एवं उद्यान उत्पादों का क्रय विक्रय	कृषि एवं उद्यान उत्पादों का क्रय कर कृषकों को उचित मूल्य प्रदान कराना	2021–22
40	**(0336) जैविक खेती हेतु वर्मी कम्पोस्ट इकाईयो की स्थाापना**		100.00		वर्मी कम्पोस्ट–452 इकाई	वर्मी कम्पोस्ट–300 इकाई	वर्मी कम्पोस्ट–300 इकाई	जैविक खेती को बढ़ावा देकर कृषकों की आय वृद्धि करना	दो वर्ष
41	**(0335) मशाला, मिर्च उत्पादन हेतु प्रोत्साहन राशि की योजना (रु0 7 प्रति किग्रा0 की दर से)**	प्रदेश में उच्च गुणवत्तायुक्त मसाला मिर्च (लाल मिर्च) की खेती को बढ़ावा देने हेतु कृषकों को प्रोत्साहन राशि देना	15.86		कृषकों की मशाला मिर्च के उत्पादन पर प्रोत्साहन प्रदान करना – 357.14 कु0	कृषकों की मशाला मिर्च के उत्पादन पर प्रोत्साहन प्रदान करना – 450 कु0	कृषकों की मशाला मिर्च के उत्पादन पर प्रोत्साहन प्रदान करना – 500 कु0	मशाला मिर्च की खेती को प्रोत्साहित कर कृषकों की आय में वृद्धि करना	2021–22
42	**(31) उत्तराखण्ड में उच्च तकनीकी द्वारा सेब उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु मिशन एप्पल योजना**	प्रदेश में उच्च तकनीकी द्वारा सेब उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ावा देने हेतु उच्च उत्पादन वाली उन्नत प्रजातियों तथा क्लोनल मूल वृन्त के प्रयोग से सूक्ष्म सिंचाई सुविधा के साथ सुनियोजित बागवानी तकनीकी अपनाते हुए उच्च सघन रोपण को बढ़ावा देने हेतु किसानों को प्रोत्साहित करना। साथ ही क्लोनल रूट स्टॉक भी उपलब्ध कराया जायेगा।	300.00		उच्च तकनीकी द्वारा सेब उत्पादन	उच्च तकनीकी द्वारा सेब उत्पादन–32 इकाई	उच्च तकनीकी द्वारा सेब उत्पादन–32 इकाई	सेब के उत्पादन एवं उत्पादक में वृद्धि लगभग 30 से 40 प्रतिशत प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन–200	तृतीय वर्ष से
43	**अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में औद्यानिक विकास**	1. व्यक्तिगत उद्यानों की स्थापना (क्षेत्र विस्तार) 2. आलू उत्पादन हेतु आलू बीज एवं निवेश उपलब्ध कराना	33.57		अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में फलों का क्षेत्र विस्तार– 48.50 है0 आलू विकास–30.98 है0				
	1–औद्यानिक विकास					अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में फलों का क्षेत्र विस्तार– 30 है0	अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में फलों का क्षेत्र विस्तार– 50 है0	फलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर उत्पादकता 5 मै0टन प्रति है0 का 2022 तक लक्ष्य प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन–1500	2022

	2–आलू विकास					आलू विकास–30 है0	आलू विकास–50 है0	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि एवं कृषकों की आय में 25 से 30 प्रतिशत वृद्धि प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन–1500	2021–22
44	**सघन एवं बेमौसमी सब्जी उत्पादन का विकास (अनुसूचित जाति एवं जनजाति हेतु)**		32.95		सब्जी बीज वितरण–200 कुन्तल	सब्जी बीज वितरण–200 कुन्तल	सब्जी बीज वितरण–250 कुन्तल	सब्जी के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर कृषकों की आय में लगभग 10 से 20 हजार रू0 वृद्धि **सब्जियों की उत्पादकता–10.00 मै0 टन/है0 का वर्ष 2022 तक लक्ष्य**	2021–22
44	**मेगा फूड पार्क**		20.00		मेगा फूड पार्क में बिजली, टैक्स आदि पर अनुदान	मेगा फूड पार्क में बिजली, टैक्स आदि पर अनुदान	मेगा फूड पार्क में बिजली, टैक्स आदि पर अनुदान	प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि करना	2021–22
45	**जलवायु परिवर्तन हेतु औद्यानिक फसलों के विविधिकरण की योजना**	जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान के संबंध में कृषकों एवं कार्मिकों को जानकारी प्रदान करना	10.00		जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान के संबंध में कृषकों एवं कार्मिकों को जानकारी प्रदान करना	जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान के संबंध में कृषकों एवं कार्मिकों को जानकारी प्रदान करना	जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान के संबंध में कृषकों एवं कार्मिकों को जानकारी प्रदान करना	जलवायु परिवर्तन के अनुसार औद्यानिक फसलों को बढ़ावा देकर उत्पादन एवं उत्पादकता वृद्धि तथा कृषकों की आय में वृद्धि करना	2021–22
47	**नाबार्ड पोषित**	उत्तर फसल प्रबन्धन हेतु अवस्थापना सुविधाओं का विकास	500.00	500.00	उत्तर फसल प्रबन्धन हेतु अवस्थापना सुविधाओं एवं राजकीय उद्यानों में सिंचाई व्सस्था एवं अन्य अवस्थापना सुविधाओं का सुदृढीकरण	उत्तर फसल प्रबन्धन हेतु अवस्थापना सुविधाओं एवं राजकीय उद्यानों में सिंचाई व्सस्था एवं अन्य अवस्थापना सुविधाओं का सुदृढीकरण	उत्तर फसल प्रबन्धन हेतु अवस्थापना सुविधाओं एवं राजकीय उद्यानों में सिंचाई व्सस्था एवं अन्य अवस्थापना सुविधाओं का सुदृढीकरण	पैकिंग ग्रेडिंग कर उत्पादों की गुणवत्ता, भण्डारण क्षमता बढ़ाने तथा राजकीय उद्यानों में गुणवत्तायुक्त पौंध रोपण सामग्री के उत्पादन में वृद्धि करना	2021–22

48	**मुख्यमंत्री एकीकृत बागवानी विकास योजना**	कृषकों को फल पौध, सब्जी बीज, मसाला बीज, पुष्प बीज/बल्व 50 प्रतिशत राजसहायता पर, कीटनाशक रसायन 60 प्रतिशत राजसहायता पर उपलब्ध कराना	1700.00		वर्ष 2020–21 से योजना प्रारम्भ	सब्जी/मसाला बीज वितरण– 1400 कु0	सब्जी/मसाला बीज वितरण– 2500 कु0	फल, सब्जी, मसाला, पुष्प के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्वि	2021–22
	योग राज्य सैक्टर		**22627.03**	**1550.00**					
	केन्द्रीय योजनायें								
01	**0116–राष्ट्रीय बागवानी मिशन**		4839.52						
	1– नर्सरी स्थापना (निजी/व्यक्तिगत)	उच्च गुणवत्तायुक्त पौध रोपण सामग्री का उत्पादन करने हेतु पौधशालाओं की स्थापना के लिये राज सहायता उपलब्ध कराना।			नर्सरी–1 25 हजार गुणवत्तायुक्त पौध रोपण सामग्री का प्रति पौधशाला उत्पादन सघन क्षेत्र विस्तार–106 है0 सामान्य क्षेत्र विस्तार–773 है0 सब्जी क्षेत्र विस्तार– 1400 है0 मसाला क्षेफफल विस्तार– 322 है0 पुष्प क्षेत्रफल विस्तार–200 पुराने उद्यानों का जीर्णोद्वार–233 है0 जल स्त्रोतों का सृजन – 21 पॉलीहाउस स्थापना – 0.585 लाख वर्गमीटर शैडनेट हाउस –	नर्सरी–3	नर्सरी–5 25 हजार गुणवत्तायुक्त पौध रोपण सामग्री का प्रति पौधशाला उत्पादन सघन क्षेत्र विस्तार–200 है0 सामान्य क्षेत्र विस्तार–1500 है0 सब्जी क्षेत्र विस्तार– 1800 है0 मसाला क्षेफफल विस्तार– 1450 है0 पुष्प क्षेत्रफल विस्तार–225 पुराने उद्यानों का जीर्णोद्वार–500 है0 मशरूम इकाई स्थापना–5 जल स्त्रोतों का सृजन – 200 पॉलीहाउस स्थापना – 2.00 लाख वर्गमीटर शैडनेट हाउस – 20000 वर्गमीटर एन्टी हेलनेट – 35.00 लाख वर्गमीटर प्लास्टिक मल्चिंग – 800 है0 औद्यानिक यन्त्र वितरण – 400 मौन कॉलोनी/बॉक्स वितरण – 8000 तुडाई उपरान्त प्रबन्धन –	उत्पादकता वृद्धि का वर्ष 2022 तक का लक्ष्य 1–फलों की उत्पादकता–5.00 मै0टन/है0 2–सब्जियों की उत्पादकता–10.00 मै0टन/है0 3– आलू की उत्पादकता–17.00 मै0टन/है0 4– मशालों की उत्पादकता–8.00 मै0टन/है0 5– फूलों का क्षेत्रफल–2000 है0 6–औद्यानिक उत्पादो की प्रसंस्करण क्षमता–15 : क्षेत्रफल विस्तार–3200 है0 प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन–160	तृतीय वर्ष से
	2– सघन क्षेत्र विस्तार	नये उद्यानों की स्थापना कर, उत्पादन में वृद्वि करना।				क्षेत्र विस्तार–198 है0		फलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि एवं प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन–7200	2021–22
	3– सामान्य क्षेत्र विस्तार					सामान्य क्षेत्र विस्तार–1336 है0			
	4– सब्जी क्षेत्र विस्तार					सब्जी क्षेत्र विस्तार–1759 है0		उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि एवं कृषकों की आय में 25 से 30 प्रतिशत वृद्धि प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन–4000	2021–22

					20000 वर्गमीटर एन्टी हेलनेट – 8.00 लाख वर्गमीटर प्लास्टिक मल्चिंग – 350 है0 औद्यानिक यन्त्र वितरण – 87 मौन कॉलोनी/बॉक्स वितरण – 3000 तुडाई उपरान्त प्रबन्धन – 5 विपणन – 3 खाद्य प्रसंस्करण इकाई – 2 प्रशिक्षण–250		200 विपणन – 10 खाद्य प्रसंस्करण इकाई – 2 प्रशिक्षण–2500		
	5– मशरूम उत्पादन इकाई	मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देकर, कृषकों की आय में वृद्वि करना।				इकाई–7		मशरूम उत्पादन कर आय वृद्धि	2021–22
	8– पुष्प क्षेत्र विस्तार	पुष्प उत्पादन को बढ़ावा देकर, कृषकों की आय में वृद्वि करना।				क्षेत्र विस्तार–330 है0		उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि एवं कृषकों की आय में 25 से 30 प्रतिशत वृद्धि प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन–2000	2021–22
	9– मशाला क्षेत्र विस्तार	मसाला उत्पादन को बढ़ावा देकर, कृषकों की आय में वृद्वि करना।				क्षेत्र विस्तार–1400 है0		उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि एवं कृषकों की आय में 25 से 30 प्रतिशत वृद्धि प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन–3400	2021–22
	10–जीर्णोद्धार/पुर्न स्थापना	पुराने अनुत्पादक उद्यानों का जीर्णोद्वार उत्पादन में वृद्वि करना।				जीर्णोद्धार/पुन स्थापना–481 है0		उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि एवं कृषकों की आय में 25 से 30 प्रतिशत वृद्धि	तृतीय वर्ष से
	11– जल स्रोतो की स्थापना(टेंक/बोरबैल)	सिंचाई सुविधाओं के विकास हेतु कृषकों को नये ट्यूबवैल की स्थापना हेतु राज सहायता प्रदान करना।				टैक/बोरबैल–180		सिचिंत क्षेत्र में वृद्धि कर 20 से 25 प्रतिशत उत्पादन वृद्धि	2021–22
	12– संरक्षित खेती	संरक्षित वातावरण में सब्जी एवं पुश्पों की बागवानी को प्रोत्साहित करने हेतु राज सहायता प्रदान करना।				पॉलीहाउस– 1.95 लाख वर्ग मी0		संरक्षित खेती कर कृषको की आय में 30 से 40 प्रतिशत वृद्धि लाभार्थी–2000	2021–22
	13– शेड नैट हाउस	ट्यूबलर बनावट, प्रकोष्ठ संरचना एवं बॉक्स की संरचना पर राज सहायता प्रदान करना।				शेड नैट हाउस–36500 वर्ग मी0			
	14– एंटी हेलनेट/एंटी वर्डनेट	फलों एवं सब्जी फसलों की ओलों की सुरक्षा हेतु एन्टी हेल नेट पर				एंटी हेलनेट/एंटी वर्डनेट–35.00 लाख वर्ग			

		राज सहायता उपलब्ध कराना।				मी0			
	15– प्लास्टिक मल्चिंग	नमी को रोकने एवं प्रकाश संश्लेषण को बढावा देने हेतु जमीन को प्लास्टिक शीट से ढकना				प्लास्टिक मल्चिंग–745 है0		नमी संरक्षण कर उत्पादन में 20 से 25 तक वृद्धि	2021–22
	16– मौनपालन के माध्यम से परापरागण हेतु सहयोग	फलों के उत्पादन बढ़ाने के लिए परपरागण एवं शहद उत्पादन हेतु मौनवंश व मौन कॉलोनी पर राज सहायता प्रदान करना।				मौनवंश/मौनगृह का वितरण–7000 सं0 मौनयंत्र का वितरण–50 सं0		250 व्यक्तियों को स्वरोजगार एवं शहद उत्पादन कर आय वृद्धि करना एवं फलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में लगभग 15 से 20 प्रतिशत वृद्धि	2021–22
	17–औद्यानिक यंत्र	विभिन्न औद्यानिक मशीनों/पॉवर टिलर/ट्रैक्टर/ औद्यानिकी हेतु स्वचालित मशीन आदि हेतु राज सहायता प्रदान करना।				यंत्र–395		उन्नत किस्म के औद्यानिक यन्त्रों का वितरण कर श्रम एवं धनराशि में बचत	2021–22
	18–मानव संसाधन विकास (प्रशिक्षण)	नवीनतम तकनीकी ज्ञान हेतु कृषक/महिलाओं का राज्य के अन्दर एवं राज्य के बाहर प्रशिक्षण कार्यक्रम				प्रशिक्षण–400		दक्षता विकास करना	2021–22
	19–समेकित उत्तर फसल प्रबन्धन इकाईयों की स्थापना (पैक हाउस, कोल्ड रूम,कोल्ड स्टोरेज, रेफिजरेटिड वाहन आदि)	तुडाई उपरान्त प्रबन्धन कार्यक्रम।				इकाई–200		उत्पादों का पैकिंग एवं ग्रेडिंग भण्डारण कर उचित समय पर उचित मूल्य दिलाकर 30 से 40 प्रतिशत तक आय वृद्धि प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन–700	2021–22
	20– विपणन हेतु अवस्थापना विकास	विपणन हेतु बाजारों का सृजन।				विपणन हेतु अवस्थापना सुविधायें–12 सं0			2021–22
	21– खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना	खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना।				इकाई–02 सं0		औद्यानिक उत्पादों के प्रसंकरण में वृद्धि करना तथा वर्ष 2022 तक 15 प्रतिशत का लक्ष्य प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन–20	2021–22

02	**0115– प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (Per Drop Crop component under)**	पौधों की आवश्यकतानुसार जल एवं खाद का वितरण उनकी जड़ों तक पहुचाते हुए कम समय में अधिकतम क्षेत्र की सिंचाई खरपतवार नियन्त्रण एवं गुणवत्तायुक्त उत्पादन एवं पैदावार में वृद्धि करना।	3744.30		ड्रिप– 4445 है0 स्प्रिंकलर– 568 है0 लाभार्थी– 11933	ड्रिप– 2500 है0 स्प्रिंकलर– 4000 है0 लाभार्थी– 10000	ड्रिप– 3000 है0 स्प्रिंकलर– 5000 है0 लाभार्थी– 12000	1– विभिन्न औद्यानिक फसलों के उत्पादन हेतु आवश्यक सिंचाई जल की 30 से 80 प्रतिशत तक बचत। 2–औद्यानिक फसलों के अन्तर्गत अतिरिक्त सिंचाई क्षेत्रफल में वृद्धि 3–अतिरिक्त सिंचाई क्षेत्रफल आच्छादित से विभिन्न औद्यनिक फसलों में 15 से 80 प्रतिशत तक वृद्धि 4–सब्जी तथा फल उत्पादन में वृद्धि से प्रति व्यक्ति सब्जी एवं फल की उपलब्धता में वृद्धि 5–बेरोजगारों हेतु रोजगार सृजन के अवसर 6–श्रम की बचत।	2021–22
03	**प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना**	सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा	552.72		–	–	130 इकाई		2021–22
	योग केन्द्र पोषित		**9136.57**	**–**					
	वाह्य सहायतित परियोजना								
1	विश्व बैंक सहायतित एकीकृत बागवानी विकास परियोजना	औद्यानिकी के समग्र विकास हेतु कलस्टर अवधारणा अपनाते हुए पौंध रोपण सामग्री का उत्पादन, क्षेत्रफल विस्तार, संरक्षित खेती, यंत्रीकरण, उत्तर फसल प्रबन्धन, विपणन, प्रसंस्करण एवं चाय तथा औषधीय एवं सगन्ध पादपों का विकास कार्यक्रम सम्मिलित	500.00	500.00	भारत सरकार से स्वीकृति उपरान्त् कार्य किये जायेगें।	भारत सरकार से स्वीकृति उपरान्त् कार्य किये जायेगें।			
	योग वाह्य सहायतित		**500.00**	**500.00**					
	जिला सेक्टर								
01	**फल/सब्जियों को सुखाकर प्रसंस्करण करने की योजना**	1. फल सब्जियों को बाजार में समुचित मूल्य दिलाने हेतु प्लास्टिक क्रेट्स, किल्टे, पैकिंग हेतु बाक्स उपलब्ध कराना आदि।	600.00						
	1–फल सब्जी प्रसंस्करण				फल सब्जी प्रसंस्करण– 4904 कु0	फल सब्जी प्रसंस्करण–3000 कु0	फल सब्जी प्रसंस्करण–3000 कु0	प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि करना	2021–22
	2–फल संरक्षण में प्रशिक्षण				प्रशिक्षण– 5162 व्यक्ति	प्रशिक्षण–8000 व्यक्ति	प्रशिक्षण–8000 व्यक्ति	स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण–10000 व्यक्ति	2021–22

		2. फल व सब्जियों							
	3–फल संरक्षण केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण	का प्रसंस्करण। 3. मिर्च उत्पादक (20			–	–	–	प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि करना	तृतीय वर्ष से
	4–उत्तर फसल प्रबंधन पैकेजिंग सामग्री	नाली में मिर्च उत्पादन करने वाले) को काली पॉलीथीन उपलब्ध कराना। 4. फल व सब्जियों के प्रसंस्करण हेतु विभागीय फल संरक्षण केन्द्रों द्वारा 07 दिवसीय प्रशिक्षण।			पैकिंग बॉक्स–1.83 लाख	पैकिंग बॉक्स–4.01 लाख	पैकिंग बॉक्स– 4.00 लाख	फलों की गुणवत्ता हेतु पैकेजिंग सामग्री में उचित मूल्य दिलाकर लगभग 20 से 25: आय वृद्धि	2021–22
02	**उन्नत किस्म के रोपण सामग्री के उत्पादन/पौधालय विकास**	1. फल, पौध, सब्जी, बीज, आलू बीज के परिवहन पर राजसहायता	3600.00						
	1–फल पौध वितरण	2. नये उद्यानों की स्थापना हेतु पौध एवं निवेश वितरण			फल पौध वितरण–15.52 लाख	फल पौध वितरण–20 लाख	फल पौध वितरण– 20 लाख	फलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर उत्पादकता 5 मै0टन प्रति है0 का 2022 तक लक्ष्य	2022
	2–सब्जी बीज वितरण	3. पौध सुरक्षा हेतु कीट व्याधिनाशक रसायनों का वितरण 4. कुरमुला कीट नियन्त्रण 5. औद्यानिक औजार वितरण 6. सिंचाई हेतु 3ग्2ग्1. 5 मीटर आकार का रेनवाटर हार्वेस्टिंग टैंक निर्माण 7. फल पट्टी विकास			सब्जी बीज वितरण– 1124.34 कु0	सब्जी बीज वितरण–2000 कु0	सब्जी बीज वितरण–3500 कु0	सब्जी के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर कृषकों की आय में लगभग 10 से 20 हजार रू0 वृद्धि **सब्जियों की उत्पादकता–10.00 मै0 टन/है0 का वर्ष 2022 तक लक्ष्य**	2021–22
	3–आलू बीज वितरण				आलू बीज वितरण– 2693.21 कु0	आलू बीज वितरण–3000 कु0	आलू बीज वितरण–4000 कु0	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि एवं कृषकों की आय में 25 से 30 प्रतिशत वृद्धि आलू की उत्पादकता–17 मै0टन प्रति है0 वर्ष 2022 तक	2021–22
	4–पौध सुरक्षा कार्य				पौध सुरक्षा कार्य– 21138 है0	पौध सुरक्षा कार्य–20000 है0	पौध सुरक्षा कार्य–20000 है0	पौधों की विभिन्न कीट व्याधियों से सुरक्षा कर उत्पादन में वृद्धि लाभार्थी–15000	2021–22
	6–औद्यानिक संयत्र वितरण				औद्यानिक संयत्र वितरण–	औद्यानिक संयत्र वितरण–8000	औद्यानिक संयत्र वितरण–8000	उन्नत किस्म के औद्यानिक यन्त्रों का वितरण कर श्रम एवं	2021–22

					5939 सं0			धनराशि में बचत	
	7– मसाला बीज (अदरख, हल्दी, लहसुन आदि) वितरण				मशाला बीज–2834 कु0	मशाला बीज–4500 कु0	मशाला बीज–5000 कु0	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि एवं कृषकों की आय में 25 से 30 प्रतिशत वृद्धि मशाला की उत्पादकता–8 मै0/है0 वर्ष 2022 तक लक्ष्य	2021–22
	9–चयनित विकास खण्डों में महिलाओं को औद्यानिक प्रशिक्षण				प्रशिक्षण–1286 सं0	प्रशिक्षण–2500 सं0	प्रशिक्षण–2500 सं0	दक्षता विकास	2021–22
03	**अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में औद्यानिक विकास**	1. उद्यान विकास–व्यक्तिगत उद्यानों की स्थापना हेतु पौध व निवेश वितरण 2. आलू विकास/उत्पादन हेतु बीज व निवेश वितरण	50.00						2021–22
	1–औद्यानिक विकास				औद्यानिक फलों का क्षेत्र विस्तार–50 है0	औद्यानिक फलों का क्षेत्र विस्तार–30 है0	औद्यानिक फलों का क्षेत्र विस्तार–50 है0 आलू विकास–30 है0	फलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर उत्पादकता 5 मै0टन प्रति है0 का 2022 तक लक्ष्य प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार–1500	2021–22
	2–आलू विकास				आलू विकास–15 है0	आलू विकास–30 है0		उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि एवं कृषकों की आय में 25 से 30 प्रतिशत वृद्धि प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार–1500	2021–22
	योग जिला सैक्टर		**4250.00**						
	योग– उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग		**36013.60**	**1550.00**					
ब)	**उत्तराखण्ड चाय विकास बोर्ड**								
	राज्य सैक्टर								
1	राज्य में चाय विकास योजना		2108.31		बागान रखरखाव–1356.49 है0, नया पौध रोपण 75.00 है0, नर्सरी स्थापना– 28.09 लाख पौध व 0.78 लाख किग्रा0	बागान रखरखाव–1410 है0, नया पौध रोपण 200 है0, नर्सरी स्थापना– 28.09 लाख पौध व 4.21 लाख किग्रा0 प्रसंस्कृत चाय, चाय की बिक्री–96,000 किग्रा0	बागान रखरखाव–1500 है0, नया पौध रोपण 200 है0, नर्सरी स्थापना– 30.00 लाख पौध व 4.50 लाख किग्रा0 प्रसंस्कृत चाय, चाय की बिक्री–1.00 लाख किग्रा0	चाय बागान विकसित कर स्थानीय व्यक्तियों को अतिरिक्त आय, उत्तराखण्ड में चाय उत्पादन को बढ़ावा, पर्यावरण संरक्षण	2021–22

					प्रसंस्कृत चाय आदि का कार्य किया जायेगा तथा कर्मियों का वेतन भत्ते आदि।				
	योग चाय विकास		**2108.31**						
स)	**हर्बल सैक्टर**								
	राज्य सैक्टर								
1	जड़ी–बूटी शोध संस्थान को अनुदान		1000.02		55 कलस्टरों में विकास, 518.80 है0 में औषधीय पादपों का कृषिकरण, 20.00 लाख औषधीय पौध रोपण सामग्री व 27.34 किग्रा0 बीज का उत्पादन, 11.75 लाख पौध वितरण, 1017 कृषकों का प्रशिक्षण, रोजगार सृजन–13560 साथ ही 800 कृषकों का पंजीकरण किया गया।	500 है0 में औषधीय पादपों का कृषिकरण, 30.00 लाख औषधीय पौध रोपण सामग्री व 250 किग्रा0 बीज का उत्पादन, 12.00 लाख पौध वितरण, 1734 कृषकों का प्रशिक्षण, 1000 कृषकों का पंजीकरण, रोजगार सृजन– 22000	500 है0 में औषधीय पादपों का कृषिकरण, 30.00 लाख औषधीय पौध रोपण सामग्री व 250 किग्रा0 बीज का उत्पादन, 12.00 लाख पौध वितरण, 500 कृषकों का प्रशिक्षण, 1000 कृषकों का पंजीकरण, रोजगार सृजन– 22000	जड़ी–बूटी प्रजातियों के उत्पादन एवं उत्पादकता वृद्धि कर कृषकों की आय सृजन	2021–22
2	सगन्ध पौधा केन्द्र को अनुदान एवं सगन्ध पौधों के क्लस्टर विकास (09 से स्थानान्तरित)		2050.00		कृषिकरण– 960 है0, कृषकों का प्रशिक्षण– 4121, 32.78 लाख पौध व 4.00 कु0 बीज का	कृषिकरण–1000 है0, कृषकों का प्रशिक्षण–4000, 50.00 लाख पौध व 3.00 कु0 बीज का उत्पादन, 800.00 मै0टन तेल तथा 65,000 टन एरोमेटिक हर्ब का आसवन, 400 नमूनों का गुणवत्ता परीक्षण एवं	कृषिकरण–1000 है0, कृषकों का प्रशिक्षण–4000, 50.00 लाख पौध व 3.00 कु0 बीज का उत्पादन, 800.00 मै0टन तेल तथा 70,000 टन एरोमेटिक	सगन्ध प्रजातियों के उत्पादन एवं उत्पादकता वृद्धि कर कृषकों की आय सृजन	2021–22

					उत्पादन, 750 मै0टन तेल तथा 71,622 टन एरोमेटिक हर्ब का आसवन,एवं 400 नमूनों का गुणवत्ता परीक्षण किया गया तथा रोजगार सृजन–4581	रोजगार सृजन–5000	हर्ब का आसवन, 400 नमूनों का गुणवत्ता परीक्षण एवं रोजगार सृजन–6000		
3	जड़ी–बूटी षोध संस्थान को अनुदान/औशधीय एवं सगन्ध पौधों के क्लस्टर विकास		70.00		कलस्टर विकास – 20	कलस्टर विकास – 20	कलस्टर विकास – 20	कलस्टर विकास – 20	2021–22
4	राष्ट्रीय औषधीय पादप मिशन (100 प्रतिशत केन्द्र सहायतित)		0.01						
	योग हर्बल सैक्टर		**3120.03**	–					
द)	**भेषज विकास**								
	राज्य सैक्टर								
1	मानव संसाधन विकास की योजना	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण व वन क्षेत्रों में प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होने वाले जड़ी–बूटी के वैज्ञानिक विधि से विदोहन किये जाने संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करना, कृषि तकनीक का प्रचार–प्रसार, कर्मचारियों की कौशल अभिवृद्धि, कृषक को एक ही छतरी के नीचे सभी सुविधाए प्रदान किये जाने हेतु भेषज भवनों	5.50		जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण विस्तार के लिए निम्नानुसार कार्य किये गये– 1. कृषिकरण– 259.61 है0 2. रोपण सामग्री उत्पादन – 10 लाख संख्या 3. पंजीकृत	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण विस्तार के लिए निम्नानुसार कार्य किये जायेगें– 1. कृषिकरण– 178.28 है0 2. रोपण सामग्री उत्पादन – 10 लाख संख्या 3. पंजीकृत कृषकों का प्रशिक्षण – 2500 4. भेषज भवन की स्थापना– 01 5. लाभार्थी – 2850 6. विकसित कलस्टर–75	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण विस्तार के लिए निम्नानुसार कार्य किये जायेगें– 1. कृषिकरण– 300 है0 2. रोपण सामग्री उत्पादन – 10 लाख संख्या 3. पंजीकृत कृषकों का प्रशिक्षण – 2500 4. भेषज भवन की स्थापना– 01 5. लाभार्थी – 4000	जड़ी–बूटी प्रजातियों के उत्पादन एवं उत्पादकता वृद्धि कर कृषकों की आय सृजन	2021–22
2	भेषज विकास इकाई का ढॉचागत विकास की योजना		–						2021–22

3	भेषज कृषि विकास की योजना	का निर्माण व परम्परागत फसलों की कृषि से विरत जड़ी–बूटी प्रजातियों की लघु कृषि प्रदर्शन इकाइयों की स्थापना का कार्य।	45.00		कृषकों का प्रशिक्षण – 35 4. भेषज भवन की स्थापना– 01 5. लाभार्थी – 1750 6. विकसित कलस्टर–82				2021–22
4	सहकारी जड़ी–बूटी योजना – 0309 अधिष्ठान	विभागीय कार्मिकों को वेतन आदि तथा कार्यलयों के संचालन के लिए व्यवस्था आदि व्यय का भुगतान	513.95		विभाग के अन्तर्गत कार्मिकों को वेतन भत्ता आदि का भुगतान।	विभाग के अन्तर्गत कार्मिकों को वेतन भत्ता आदि का भुगतान।	विभागीय क्रियाकलापों के सम्पादनार्थ कार्मिकों पर होने वाला व्यय की आरम्भिक स्थिति	विभाग के अन्तर्गत कार्मिकों को वेतन भत्ता आदि का भुगतान।	2021–22
5.	राजकीय/भेषज संघों की नर्सरियों के विकास व सम्वर्द्धन की योजना	पौधरोपण सामग्री का उत्पादन करना	10.00		पौधरोपण सामग्री का उत्पादन–10 लाख	पौधरोपण सामग्री का उत्पादन–10 लाख	पौधरोपण सामग्री का उत्पादन–10 लाख	पौधरोपण सामग्री का उत्पादन– 5 लाख	2021–22
	योग भेषज विकास		**574.45**						
	जिला सैक्टर								
1	भेषज संघों को विभिन्न कार्यों हेतु अनुदान		60.00		जड़ी बूटियों के ग्रेडिग एवं पैकिग का कार्य।	जड़ी बूटियों के ग्रेडिग एवं पैकिग का कार्य।	जड़ी बूटियों के ग्रेडिग एवं पैकिग का कार्य।	जड़ी बूटियों के ग्रेडिग एवं पैकिग का कार्य।	2021–22
2	औषधीय पौधों का उत्पादन		15.00		पौधरोपण सामग्री का उत्पादन–10 लाख	पौधरोपण सामग्री का उत्पादन–10 लाख	पौधरोपण सामग्री का उत्पादन–10 लाख	पौधरोपण सामग्री का उत्पादन–17 लाख	2021–22
3	भेषज संघों की अवस्थापना विकास		10.00		भेषज संघों के भवन निर्माण हेतु।	भेषज संघों के भवन निर्माण हेतु।	भेषज संघों के भवन निर्माण हेतु।	भेषज संघों के भवन निर्माण हेतु।	2021–22
	योग भेषज विकास		**85.00**						
स)	**रेशम विकास**								
1	शहतूत की खेती एवं रेशम विकास– 0701– अधिष्ठान	रेशम विभाग के कार्यक्रमों का समग्र विकास एवं प्रसार	1363.20	–			समस्त विभागीय कार्यक्रमों के सफल संचालन, प्रसार,	राज्य के कृषक परिवारों को रेशम उद्योग के माध्यम से स्वरोजगार	2021–22

		करना तथा अधिकारियों/कर्मचारियों के वेतन भत्ते आदि का भुगतान।					निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण हेतु विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन, भत्ते आदि का भुगतान। कोया उत्पादन लक्ष्य–310 मी0टन कीटपालक परिवार सं0–10000	नर्सरीकर्ताओं, वृक्षारोपकों, धागाकारों तथा बुनकरों को विभागीय योजनाओं के माध्यम से रोजगार के अवसर सुलभ कराना।	
2	सहकारी समितियों को रेशम विकास हेतु कार्यशील पूंजी	प्रदेश के रेशम सहकारी समितियों को रेशम विकास सम्बन्धी गतिविधियों के संचालन में स्वावलम्बी एवं दक्ष बनाना।	22.00	–	सहकारी समिति–30	सहकारी समिति–30	30 रेशम सहकारी समितियों तथा स्वयं सहायता समूहों को रेशम विकास कार्यक्रमों के संचालन हेतु कार्यशील पूंजी के रूप में सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।	प्रदेश की रेशम सहकारी समितियों को रेशमोत्पादन कार्य में आत्मनिर्भर बनाना।	2021–22
3	चॉकी भवनों का निर्माण व रिनोवेशन	रेशम कीटाण्डों के चॉकी कीटपालन हेतु विभागीय फार्मों पर नये भवनों का निर्माण तथा पुराने भवनों का जीर्णोद्वार, फैन्सिंग आदि की मरम्मत।	35.50	–	10	10	वर्ष में 10 चॉकी भवनों व फैन्सिंग का अनुरक्षण व पुर्न निर्माण का कार्य प्रस्तावित है।	राज्य में रेषमोद्योग की आधारभूत अवस्थापनाओं के विकास से आगामी वर्षों हेतु सुदृढ धरातल प्राप्त होगा।	2021–22
4	जैविक रेशम विकास योजना	कीटपालन कार्य के उपरान्त रेशम कीट अवशेषों, अप्रयुक्त पत्तियों तथा एफ0 वाई0एम0 के द्वारा जैविक खाद तैयार करना तथा रेषम फसलों का जैविक कृषिकरण।	18.00	–	जैविक खाद 24 टन	जैविक खाद 28 टन	विभागीय उद्यानों में जैविक अवशिष्ठ के माध्यम से 28 टन जैविक खाद का उत्पादन, तथा उपयोग प्रस्तावित है।	रेशम कृषकों को रासायनिक खाद पर निर्भरता को कम करते हुए जैविक कृषिकरण को उत्प्रेरित करना एवं वृक्षारोपण कार्य कर शहतूती एवं वन्या रेशम उत्पादन हेतु पौध सम्पदा में वृद्धि करना।	2021–22
5	शहतूत वृक्षारोपण योजना	योजना का उद्देश्य विभागीय चॉकी कीटपालन केन्द्रों के साथ–साथ कृषकों	24.00	–	वृक्षारोपण–1.0 लाख	वृक्षारोपण–1.5 लाख	कुल 1.5 लाख पौध रोपण जिसमें से विभागीय उद्यानों में 0.75 लाख उन्नतशील		2021–22

		की निजी भूमि पर उन्नतशील शहतूत प्रजातियों का फुटकर वृक्षारोपण करते हुये रेशम कीटपालन हेतु प्रचुर मात्रा में भोज्य पौध तैयार करना है।					एवं उच्च उत्पादक शहतूत पौधों का प्रतिस्थापन एवं फुटकर वृक्षारोपण के रूप में निजी क्षेत्र में 0.75 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा।		
6	रेशम वस्त्र विकास योजना	प्रदेश में रेशम वस्त्रों के उत्पादन हेतु नये बुनाई करघों की स्थापना, पुराने करघों का उच्चीकरण, कच्चे माल की उपलब्धता व बुनकरों का प्रशिक्षण।	20.00	–	वस्त्रोत्पादन– 24 हजार मी0	वस्त्रोत्पादन–25 हजार मी0	प्रदेश में 40 बुनकरों के माध्यम से 45 हजार मी0 रेशम वस्त्रो का उत्पादन का कार्य किया जाएगा।	राज्य में रेशम वस्त्र बुनाई गतिविधि को बल मिलेगा जिससे प्रदेश में उत्पादित रेशम धागे की स्थानीय खपत व रोजगार में वृद्धि होगी।	2021–22
7	रेशम प्रशिक्षण योजना	प्रदेश में कुशल मानव संसाधनों का विकास करना तथा लाभार्थियां को रेशम उद्योग की नवीनतम तकनीकियों की जानकारी उपलब्ध कराना।	13.10	–	प्रशिक्षणार्थी– 600	प्रशिक्षणार्थी–600	प्रदेश के 600 रेशम उद्यमियों, कृषकों, कीटपालकों, सह समितियों /स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों एवं महिलाओं को रेशम विकास सम्बन्धी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा।	प्रदेश में कुशल मानव संसाधनों का विकास करना जिससे आगामी वर्षों में रेशमोद्योग सम्बन्धी कार्यों को निरन्तर गति प्राप्त होगी।	2021–22
8	यू0सी0आर0एफ0 का सुदृढीकरण	रेशमोद्योग के कोसोत्तर विकास कार्यक्रमों जैसे–कोया बाजारों का संचालन, कोया मूल्य भुगतान, रेशम, रीलिंग, टिवस्टिंग, डाईंग, डिजायनिंग, विविंग तथा मार्केटिंग आदि गतिविधियों के संचालन हेतु सहकारी शीर्ष संस्था यू.सी.आर. एफ. को सुदृढ बनाना।	23.00	–	कोया उत्पादन– 288.62 मी0टन	कोया उत्पादन – 186.00 मी0टन	रेशम की समस्त कोसोत्तर गतिविधियों के विकास तथा रेशम रीलिंग, डाईंग, डिजायनिंग, वीविंग तथा मार्केटिंग आदि कार्यों हेतु फेडरेशन को सहायता उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है जिसके अन्तर्गत 310 मी0टन कोया निस्तारण का लक्ष्य है।	रेशमोद्योग के समस्त ऊर्ध्वगाामी कार्यों के समन्वय में प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा तथा प्रभावी विपणन व्यवस्था के कारण उत्पादन क्षेत्र को भी तत्काल लाभ मिलेगा।	2021–22
9	केन्द्रपोषित सिल्क समग्र योजना (राज्यांश)	भारत सरकार द्वारा प्रदेश में केन्द्र पोषित	52.87	–	वृक्षारोपण–100 कीटपालन	वृक्षारोपण–300	सिल्क समग्र योजना के अन्तर्गत सामान्य	अ0जा0 तथा ज0जाति बाहुल्य क्षेत्रों में लाभार्थियों	2021–22

		सिल्क समग्र योजना का संचालन प्रारम्भ किया गया है जिसके अन्तर्गत एस0सी0एस0पी0 व टी0एस0पी0 में नये रेशम क्लस्टर्स विकसित कर लाभार्थियों को निजी कीटपालन भवन निर्माण व टूलकिट्स आपूर्ति हेतु सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।			उपकरण –100 कीटपालन कक्ष–100	कीटपालन उपकरण –300 कीटपालन कक्ष–300	तथा अनु0जाति तथा ज0जाति क्षेत्रों में नये क्लस्टर्स विकसित करने हेतु भारत सरकार द्वारा सहायता उपलबध कराई जा रही है जिसके सापेक्ष राज्यांश धनराशि की व्यवस्था हेतु योजना संचालित है. योजनान्तर्गत 400 किसानों को लाभान्वित किया जायेगा।	को रेशम उद्योग के विकास हेतु पर्याप्त अवस्थापना सुविधाओं का विकास, वन्या एवं शहतूती उत्पादकता में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का सृजन एवं पलायन रोकने में सहायक।	
10	रेशम कीटाण्ड आपूर्ति हेतु सहायता	योजना का उद्देश्य प्रदेश के रेशम कीटपालकों को कीटाण्ड मूल्य भुगतान में सहायता उपलब्ध कराना है ताकि निर्बलवर्गीय कृषक अल्प मूल्य पर रेशम कीटाण्ड प्राप्त कर कीटपालन प्रारम्भ कर सके।	45.00	–	6.5 लाख औंस	6.5 लाख औंस	राज्य के कीटपालकों को रेशम कीटाण्ड आपूर्ति में प्रोत्साहन सहायता उपलब्ध कराते हुए मात्र रू0 1.0 प्रति डी0एफ0एल की दर से कीटाण्ड मूल्य लिया जाता है. शेष कीटाण्ड मूल्य योजना में वहन किया जाता है। वर्ष 2021–22 में 6.9 लाख डी0एफ0एल्स रेशम कीटाण्ड आपूर्ति के साथ–साथ लम्बित कीटाण्ड मूल्य का भुगतान किया जाएगा।	गरीबी की रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले सभी कीटपालकों को कम मूल्य पर कीटाण्ड उपलब्ध कराने व रेशम फसलों में कम उत्पादकता की प्रतिपूर्ति के परिणामस्वरूप रेशम कीटपालक संख्या व कोया उत्पादन में पर्याप्त वृद्वि होगी।	2021–22
11	रेशम कोया उत्पादकों को रेशम फसलों हेतु प्रोत्साहन सहायता	योजना का उद्देश्य मानसून फसल में तुलनात्मक रूप से कम कोया उत्पादन के कारण कीटपालकों को हुई आर्थिक क्षति की प्रतिपूर्ति करना है।	20.00	–	100 मी0टन	100 मी0टन	रेशम फसलों में कम कोया उत्पादन की प्रतिपूर्ति के रूप में कीटपालकों को रू0 20/–प्रति कि0ग्रा0 प्रोत्साहन सहायता उपलब्ध कराने हेतु वर्ष 2021–22 में 100 टन कच्चे रेशम कोये		

							पर सहायता उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।		
12	वन्या रेशम विकास योजना	प्रदेश में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध प्रचुर वन सम्पदा का दोहन कर गैर शहतूती रेशम कीटपालन कार्य से रोजगार के अवसरों को जुटाना है तथा विभागीय केन्द्रों पर भी गैर शहतूती पौधालयों की स्थापना, भोज्य पौधों का उत्पादन तथा क्षेत्र में रोपण करना है।	8.00	–	वृक्षारोपण–55000 कोया उत्पादन–2.56 लाख	वृक्षारोपण–65000 कोया उत्पादन–2.60 लाख	योजना के अन्तर्गत 68000 वन्या पौध (मनीपुरी बांज, अर्जुन, आसन एवं अरण्डी) रोपण करना तथा 5.0 लाख संख्या में वन्या प्रजाति के रेशम कोया उत्पादन करना।	राज्य में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध प्रचुर वन सम्पदा का दोहन करते हुए उद्योगशून्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में पर्याप्त वृद्धि होगी।	2021–22
13	रेशम बीजागार का संचालन	योजना का उद्देश्य बीज संगठन को सुदृढीकृत/पुनर्जीवित करते हुए रेशम कीटाण्डों का उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है।	17.00	–	1.03 लाख डी0एफ0 एल्स	1.5 लाख डी.एफ.एल्स	प्रदेश की महत्वपूर्ण बाईवोल्टीन बीजागार के सुदृढीकरण / पुनर्जीवीकरण के उपरान्त वर्ष 2021–22 में 1.5 लाख बाईवोल्टीन कीटाण्डों का उत्पादन का लक्ष्य है।	कीटाण्ड उत्पादन में आत्मनिर्भरता	2021–22
14	ग्रोथ सेन्टर में रेशम रीलिंग इकाई का संचालन	योजना का उद्देश्य फेडरेशन द्वारा क्रय किये गये रेशम कोये की रीलिंग करते हुए मूल्य सम्बर्धन तथा लाभार्जन करना है।	38.00	–	धागा उत्पादन–3.0 मी0टन	धागा उत्पादन –3.5 मी0टन	ग्रोथ सेन्टर सेलाकुई में स्थापित मल्टी एण्ड रीलिंग मशीनों के द्वारा 3.5मी0 टन उच्च श्रेणी के रेशम धागा उत्पादन का लक्ष्य है।	सहकारी क्षेत्र में धागाकरण का विकास.	2021–22
15	कोया बाजारों का उच्चीकरण	योजना का उददेश्य प्रदेश में कीटपालकों द्वारा उत्पादित किये जा रहे रेशम कोये का त्वरित निस्तारण तथा कोया उत्पादकों को उनके उत्पाद की गुणवत्ता के आधार पर मूल्य भुगतान	22.50	–	4 कोया बाजारों का उच्चीकरण	4 कोया बाजारों का उच्चीकरण	वर्ष में चार कोया बाजारें की जीर्ण–शीर्ण अवस्थापना सुविधाओं (भवनों, विद्युत वायरिंग, शेड निर्माण) का अनुरक्षण एवं पुर्ननिर्माण किया जाना प्रस्तावित।	कोया बाजार में आधारभूत अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु आगामी वर्षों में कोया विपणन हेतु सुदृढता प्राप्त होगी।	2021–22

		व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कोया बाजारों का उच्चीकरण करना है।							
16	रेशम उत्पादन एवं प्रचार प्रसार (जिला योजना)	इस योजना के माध्यम से चॉकी कीटपालन केन्द्रों हेतु रेशम कीटाण्डों की आपूर्ति, चॉकी कीटपालन सामग्री की आपूर्ति, विभागीय चॉकी उद्यानों की ट्रीमिंग/प्रूनिंग एवं रखरखाव, कर्षण कार्य, उर्वरकों की आपूर्ति, कृषि उपकरणों व विशुद्वीकरण उपकरणों की आपूर्ति इत्यादि कार्य सुनिश्चित किये जा रहे हैं।	250.00		कोया उत्पादन – 288.66 मै. टन कीटपालक – 6185	कोया उत्पादन–300 मै.टन कीटपालक–8000	कोया उत्पादन–310 मै.टन कीटपालक–10000	राज्य के कृषक परिवारों को रेशम उद्योग के माध्यम से स्वरोजगार नर्सरीकर्ताओं, वृक्षारोपकों, धागाकारों तथा बुनकरों को विभागीय योजनाओं के माध्यम से रोजगार के अवसर सुलभ कराना।	2021–22
		योग रेशम	**1972.17**	–					

नोटः– जिला सैक्टर की योजनाओं का प्रस्तावित बजट गत वर्ष में व्यय की गयी धनराशि के अनुसार अनुमानित है।

सतत विकास लक्ष्य
(उद्यान विभाग, उत्तराखण्ड)

क्र0 सं0	SDG संकेतक	01.04.2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31.03.2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) 2021–22	परिकल्पित आउटकम (भौतिक स्थिति) 2021–22
1.	उद्यान उत्पादों हेतु भण्डारण क्षमता (कोल्ड स्टोरेज, सी0ए0 स्टोरेज, कूल चैन आदि)	2.00 लाख मै0टन	2.25 लाख मै0टन	2.50 लाख मै0टन	कृषकों की फसलों का उचित मूल्य (15 से 20 प्रतिशत तक अधिक) उपलब्ध होना।
2.	फलों की उत्पादकता	3.73 मै0टन/है0	3.78 मै0टन/है0	3.85 मै0टन/है0	अधिक उत्पादन कर, कृषकों की आय में वृद्वि करना।
3.	सब्जियों की उत्पादकता	8.96 मै0टन/है0	9.05 मै0टन/है0	9.15 मै0टन/है0	
4.	आलू की उत्पादकता	13.77 मै0टन/है0	13.82 मै0टन/है0	13.90 मै0टन/है0	
5.	मसालों की उत्पादकता	6.62 मै0टन/है0	6.65 मै0टन/है0	6.70 मै0टन/है0	
6.	फूलों की खेती	1635 है0	1700 है0	1900 है0	
7.	संरक्षित खेती के अन्तर्गत क्षेत्रफल	26.00 लाख वर्गमीटर	28.00 लाख वर्गमीटर	30.00 लाख वर्गमीटर	
8.	खाद्य प्रसंस्करण क्षमता में वृद्वि करना	12 प्रतिशत	14 प्रतिशत	18 प्रतिशत	औद्यानिक उत्पादों की प्रसस्करण क्षमता में बढ़ोत्तरी कर, कृषकों के उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान कराना।
9.	कच्चे रेशम का उत्पादन (किग्रा0 प्रति हैक्टेयर)	10.50	10.50	समस्त विभागीय कार्यक्रमों के सफल संचालन, प्रचार–प्रसार, निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण कार्यों के माध्यम से प्रदेश में 10500 किसानों द्वारा 6.90 लाख डी0एफ0एल्स का कीटपालन कार्य कर 310 मी0टन कच्चा कोया उत्पादित किया जायेगा।	ग्रामीण एवं उद्योगशून्य क्षेत्रों में सहकारिता नर्सरी, वृक्षारोपण, कीटपालन एवं उद्यानों पर कर्षण कार्यों के माध्यम से रोजगार के अवसरों में वृद्धि व किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा एवं रेशम कोया उत्पादन में वृद्धि होगी। पर्वतीय जनपदों से हो रहे पलायन पर अंकुश लगेगा। जैविक कृषिकरण को बढावा एवं शहतूती एवं वन्या भोज्य पौध सम्पदा में वृद्धि होगी।
10.	जड़ी–बूटी का टर्न ओवर	रू0 8.50 करोड़	रू0 9.00 करोड़	रू0 10.00 करोड़	कृषकों की आय में वृद्वि करना।
11.	सगन्ध पादपों का टर्न ओवर	रू0 70.00 करोड़	रू0 90.00 करोड़	रू0 100.00 करोड़	कृषकों की आय में वृद्वि करना।